

विचलना अ.क्रि. (तत्.) 1. अस्थिर होना 2. चंचल होना 3. अपने स्थान या मार्ग से हटना, अपने विचारों या सिद्धांतों से हटना।

विचलाना स.क्रि. (तत्.) 1. किसी को उसके मार्ग, पथ, नियम-उद्देश्य आदि से विचलित करना 2. किसी को विचलित करने में प्रवृत्त करना।

विचलित वि. (तत्.) 1. जो अस्थिर मन हो, चंचलता युक्त हो 2. अधीर, बेचैन 3. किसी नियम, सिद्धांत, प्रतिज्ञा आदि से हटना।

विचार पुं. (तत्.) 1. वह जो किसी विषय, समस्या, आदि के संबंध में मन और बुद्धि से चिंतन करते हुए उसका निश्चयात्मक बोध हो 2. किसी बात पर सोच-समझकर की गई धारणा 3. मन में उठने वाली भावना, ख्याल 4. किसी तथ्य को समझने की परीक्षा, जाँच 5. राजा या न्यायकर्ता का वह कार्य जिसमें वादी और प्रतिवादी के अभियोग और उससे संबंधित उत्तर सुनकर न्याय किया जाए, निर्णय, फैसला 6. संकल्प 7. संदेह, शंका 8. सतर्कता 9. विधि. किसी निर्णय के लिए की जाने वाली तथ्यों की जाँच-पड़ताल व मुकदमे की सुनवाई।

विचारक वि. (तत्.) 1. विचार करने वाला, चिंतक 2. चिंतन-मनन करने वाला 3. जो सोच-विचार करने के स्वभाव वाला हो, विचारशील 4. पुं. 1. न्यायकर्ता 2. न्यायाधीश 3. गुप्तचर 4. नेता।

विचारकर्ता वि. (तत्.) 1. विचार या चिंतन करने वाला 2. सोच-विचारक करने की प्रवृत्ति वाला 3. पुं. 1. दार्शनिक विचारक 2. किसी विवाद पर न्याय करने वाला, न्यायाधीश।

विचारगोष्ठी स्त्री. (तत्.) किसी संस्था, विभाग द्वारा किसी विषय पर विचार के लिए आयोजित की जाने वाली विद्वानों या विषयविशेषज्ञों की बैठक, सभा।

विचारण पुं. (तत्.) 1. किसी संबंध में विचार किये जाने का भाव या क्रिया विधि. न्यायालय के द्वारा किसी भी विवादास्पद विषय का किया जाने वाला न्यायिक परीक्षण।

विचारणीय पुं. (तत्.) 1. जो विचार किये जाने के योग्य हो 2. जिस विषय पर विचार किया जाना हो 3. संदेहयुक्त, चिन्त्य 4. विधि. न्यायालय द्वारा किसी विषय पर निर्णय किये जाने की अपेक्षा या जिस पर मुकदमा चलाया जा सके।

विचारधारा स्त्री. (तत्.) 1. वैचारिक प्रक्रिया, विचारों की शृंखला 2. किसी संस्था, व्यक्ति, संप्रदाय आदि के वैचारिक सिद्धांत 3. सिद्धांत, सैद्धांतिक दृष्टिकोण 4. विचारपद्धति, विचार प्रणाली जैसे- वैदिक विचारधारा।

विचारन वि. (तत्.) 1. विचारों को जानने वाला, विचारों का ज्ञाता 2. किसी विवाद पर निर्णय करने वाला, निर्णायक, न्यायाधीश।

विचारना अ.क्रि. (तत्.) 1. विचार करना, चिंतन करना 2. स.क्रि. किसी बात को समझना।

विचारपति पुं. (तत्.) 1. श्रेष्ठ विचारक 2. न्यायाधीश।

विचारमूढ़ वि. (तत्.) 1 जो विचार करने में असमर्थ हो 2. जो उचित निर्णय नहीं कर पा रहा हो 3. जो किसी संबंध में अपनी बुद्धि का उचित प्रयोग न कर पा रहा हो जैसे- युद्धभूमि में अर्जुन विचारमूढ़ हो गया था।

विचारवान वि. (तत्.) 1. विचार करने वाला 2. विचारशील, समझदार 3. जो किसी विषय पर सही विचार या चिंतन करने में समर्थ हो विलो. विचारहीन।

विचार वियोजन पुं. (तत्.) 1. सामूहिक विचारों को अलग-अलग करना, विचारों का पृथक्करण मनो. 2. किसी संश्लिष्ट विचार में शामिल विविध विचारों को विश्लेषण के द्वारा पृथक् पृथक् करना।

विचार शक्ति स्त्री. (तत्.) 1. विचार करने की शक्ति, सोचने की शक्ति, चिंतनशक्ति 2. बुद्धि 3. विवेक।

विचारशील वि. (तत्.) 1. सोच-विचार कर किसी कार्य में प्रवृत्त होने वाला 2. जो किसी कार्य को भली-भाँति सोच-समझ कर ही करता हो 3. चिंतनशील, मननशील 4. विवेकशील।